लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक व्यक्ति

आरव शर्मा की विदेश यात्रा और निवास रिपोर्ट

आपके लग्नेश सूर्य विदेश के बारहवें भाव में, पाँचवें भाव में नए विचार लाते राहु, और 2027 में फिर बारहवें भाव में गुरु का गोचर।

जन्म	स्थान	लग्न	राशि · नक्षत्र
15 अगस्त 1991, 06:40	Jaipur, Rajasthan, India	सिंह	तुला · चित्रा 3

इस रिपोर्ट में

01 आपकी कुंडली और दूर देश

02 बारहवाँ भाव: विदेश

03 नौवाँ भाव: लंबी यात्राएँ

04 राहु और नए का आकर्षण

05 यात्रा और स्थानांतरण का समय

06 पारंपरिक उपाय

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

01 आपकी कुंडली और दूर देश

आरव, यात्रा और विदेश में जीवन बारहवें भाव (विदेश और दूर के स्थान), नौवें भाव (लंबी यात्राएँ), राहु (विदेशी और नया) और चंद्रमा (आप कितना घर जैसा महसूस करते हैं) से पढ़े जाते हैं। ये प्रवृत्तियाँ बताते हैं, कभी वीज़ा, नौकरी का प्रस्ताव या वादा नहीं।

मुख्य संकेत

आपकी कुंडली का सबसे स्पष्ट संकेत यह है कि आपके लग्न के स्वामी और आपके संपूर्ण स्व के ग्रह सूर्य आपके बारहवें भाव में बैठे हैं। जब लग्नेश बारहवें भाव में रहते हैं, तो व्यक्ति को अक्सर दूर के स्थानों, निजी एकांत, या जन्मस्थान से दूर कुछ हद तक जिए जाने वाले जीवन की ओर स्थायी खिंचाव महसूस होता है। इस स्थिति वाले बहुत-से लोगों के लिए अध्ययन या काम के लिए विदेश में समय एक महत्वपूर्ण अध्याय बनता है।

तीसरे भाव में तुला का आपका चंद्रमा छोटी यात्राएँ, बातचीत और नए लोग पसंद करता है, और आपके नौवें भाव के स्वामी लग्न में बैठे आपके योगकारक मंगल हैं। यात्रा तब अच्छी चलती है जब आप स्वयं उसकी पहल करते हैं।

> ✦ आपके लग्नेश सूर्य विदेश के बारहवें भाव में: दूर के स्थानों की ओर स्थायी खिंचाव।

02 बारहवाँ भाव: विदेश

बारहवें भाव में कर्क

आपका बारहवाँ भाव, व्यय भाव, कर्क है, एक जल राशि, और सूर्य वहाँ आश्लेषा चरण 4 में बैठे हैं। शास्त्र बारहवें भाव में जल राशियों को पानी के पार की यात्राओं और घर से दूर जीवन से जोड़ते हैं। इसका सर्वाष्टकवर्ग अंक 22 है, जो 25 की सुविधा-रेखा से नीचे है; यह यात्रा के बारे में नहीं, ख़र्च के बारे में संकेत है: विदेश जाना और यात्राएँ योजना से अधिक महँगी पड़ सकती हैं, इसलिए उनका बजट बनाएँ।

आपके बारहवें भाव के स्वामी चंद्रमा हैं, जो तुला में आपके छोटी यात्राओं और संवाद के तीसरे भाव में बैठे हैं। तीसरे भाव में द्वादशेश दूर के स्थानों को लेखन, मीडिया, काम के लिए यात्रा और दूरी के बावजूद संपर्क बनाए रखने से जोड़ते हैं।

03 नौवाँ भाव: लंबी यात्राएँ

नौवें भाव में मेष

आपका नौवाँ भाव, धर्म भाव, मेष है, जिसमें कोई ग्रह नहीं है और जिसका अंक 28 है, पारंपरिक प्रबल रेखा पर। इसके स्वामी आपके योगकारक मंगल आपके लग्न में बैठे हैं। नौवाँ भाव लंबी यात्राओं, उच्च शिक्षा, तीर्थ और गुरुओं का भाव है। पहले भाव में बलवान नवमेश संकेत देते हैं कि अध्ययन, शिक्षण या किसी ऐसे मकसद के लिए लंबी दूरी की यात्रा जिसमें आप विश्वास रखते हैं, सफल होती है, विशेषकर जब आप उसकी योजना स्वयं बनाते और उसे आगे बढ़ाते हैं।

04 राहु और नए का आकर्षण

पाँचवें भाव में राहु, और घर एक संतुलन

राहु धनु में आपके पाँचवें भाव में और केतु मिथुन में आपके ग्यारहवें भाव में बैठे हैं। राहु विदेशी और अपरिचित के ग्रह हैं। अध्ययन और रचनात्मकता के पाँचवें भाव में वे आपको विदेशी विचारों, अंतरराष्ट्रीय विषयों और अपनी संस्कृति से बाहर की सोच की ओर खींचते हैं, जो अक्सर विदेश में अध्ययन या काम का द्वार खोलता है।

संतुलन आपका चौथा भाव है, घर और जड़ों का भाव: वृश्चिक, जिसके स्वामी मंगल आपके लग्न में हैं, 27 अंकों के साथ। घर आपके लिए गहराई से मायने रखता है। इस कुंडली के लिए सबसे स्वस्थ पैटर्न आम तौर पर जड़ें पूरी तरह काटने के बजाय मज़बूत आधार के साथ विदेश में लंबे समय बिताना होता है।

05 यात्रा और स्थानांतरण का समय

अगले दो वर्ष

गोचर में गुरु 31 अक्टूबर 2026 तक और फिर 24 जनवरी से 25 जून 2027 तक कर्क, आपके बारहवें भाव, में हैं। बारहवें भाव से गुरु का गोचर परंपरा में विदेश यात्रा, विदेश में अध्ययन और दूर समय बिताने के सबसे स्पष्ट संकेतों में से एक है। यदि आप स्थानांतरण या लंबी यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो ये महीने स्वाभाविक समय हैं।

आप 26 अगस्त 2027 तक राहु अंतर्दशा में भी हैं, जो विदेश के ग्रह की अंतर्दशा है। जून 2027 से गोचर में शनि मेष, लंबी यात्राओं और उच्च शिक्षा के आपके नौवें भाव, में प्रवेश करते हैं, जो डिग्री या विदेश में नियुक्ति जैसी लंबी, व्यवस्थित योजनाओं का साथ देता है।

> ✦ स्वाभाविक समय: राहु अंतर्दशा के दौरान अक्टूबर 2026 तक और जनवरी से जून 2027 तक आपके बारहवें भाव में गुरु का गोचर।

आगे के काल

आपकी शनि महादशा के भीतर, अगस्त 2037 से जुलाई 2038 तक की सूर्य अंतर्दशा बारहवें भाव में बैठे आपके लग्नेश को सक्रिय करती है, जुलाई 2038 से फ़रवरी 2040 तक की चंद्र अंतर्दशा आपके द्वादशेश को, और अप्रैल 2041 से फ़रवरी 2044 तक की राहु अंतर्दशा विदेश के ग्रह को। परंपरा इन्हें ऐसे काल मानती है जब यात्रा, स्थानांतरण या विदेश में जीवन फिर सामने आते हैं।

06 पारंपरिक उपाय

सुरक्षित और फलदायी यात्राओं के लिए

बारहवें भाव में बैठे आपके लग्नेश सूर्य का सम्मान उगते सूर्य को जल और आदित्य हृदय स्तोत्र से होता है; आपके द्वादशेश चंद्रमा का सोमवार को सादे भोजन और पानी के पास समय से। लंबी यात्राओं से पहले बहुत-से परिवार हनुमान या गणेश मंदिर जाते हैं और यात्रियों या ज़रूरतमंदों को दान देते हैं।

राहु ईमानदारी और शॉर्टकट से बचने से संतुलित होते हैं: व्यवहार में हर दस्तावेज़, वीज़ा और अनुबंध को सावधानी से व्यवस्थित रखें। विदेश में जीवन के लिए यही राहु का सबसे उपयोगी उपाय है।

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

हर स्थिति की गणना iAstroGuru Engine ने की है, लाहिड़ी अयनांश, संपूर्ण राशि भाव और विंशोत्तरी दशा के साथ।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है; यहाँ कुछ भी आप्रवासन, कानूनी, करियर या पैसे संबंधी सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।
इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।

Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)
Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:34 IST
Document ID IAG-5YZ0-VQFT-026D